ज्योतिषाचार्य
तेजस्कर पाण्डेय

सावन मास का ज्योतिषीय महत्व

शिवलिंग का अभिषेक

शिवलिंग का अभिषेक जल, दूध, दही, घी, शहद और गन्ने के रस से किया जाता है. यह विभिन्न ग्रहों के सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाने में मदद करता है. अभिषेक के दौरान मंत्रों का उच्चारण ग्रहों के अशुभ प्रभाव को कम करता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है.

रुद्राभिषेक का महत्व

रुद्राभिषेक शिवलिंग पर जल और पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद और शक्कर) से अभिषेक करने का एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है. इसका ज्योतिषीय महत्व इस प्रकार है–

1. **शनि दोष निवारण**– शनि की दशा या महादशा में रुद्राभिषेक अत्यंत लाभकारी माना जाता है. यह शनि के कठोर प्रभाव को कम करता है और जीवन में स्थिरता और शांति लाता है. विशेषकर शनि के साढ़ेसाती और ढैया के प्रभाव को कम करने में यह अनुष्ठान अत्यधिक प्रभावी माना जाता है.
2. **मंगल दोष निवारण**– रुद्राभिषेक के माध्यम से मंगल ग्रह के अशुभ प्रभाव को कम किया जा सकता है. यह ऊर्जा, साहस और आत्मविश्वास में वृद्धि करता है. विवाह में आ रही बाधाओं को दूर करने और वैवाहिक जीवन में सामंजस्य बढ़ाने में भी यह अनुष्ठान सहायक होता है.

सावन और रत्न धारण

सावन मास में रत्न धारण का ज्योतिषीय महत्व भी अत्यधिक है. सही रत्न धारण करने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं. यहाँ कुछ प्रमुख रत्न और उनके सावन मास में धारण करने के लाभ दिए गए हैं–

1. **मोती (पर्ल)**– चंद्रमा के प्रभाव को बढ़ाने के लिए मोती धारण किया जाता है. सावन में इसे धारण करने से मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन प्राप्त होता है. यह जल तत्व को संतुलित करता है और मन की अशांति को दूर करता है.
2. **पन्ना (एमराल्ड)**– बुध ग्रह के प्रभाव को बढ़ाने के लिए पन्ना धारण किया जाता है. सावन में इसे धारण करने से व्यापार, संचार और बुद्धि में सुधार होता है. यह व्यवसाय में सफलता और ज्ञान की प्राप्ति में मदद करता है.
3. **नीलम (ब्लू सफायर)**– शनि ग्रह के प्रभाव को बढ़ाने के लिए नीलम धारण किया जाता है. सावन में इसे धारण करने से शनि के अशुभ प्रभाव को कम किया जा सकता है. यह स्थिरता, धैर्य और कर्मफल सिद्धांत में विश्वास को मजबूत करता है.

सावन में मंत्र जप का महत्व

मंत्र जप का ज्योतिषीय महत्व अत्यधिक है और सावन मास में विशेष मंत्रों का जप करना अत्यंत शुभ माना जाता है. यहाँ कुछ प्रमुख मंत्र और उनके लाभ दिए गए हैं–

महामृत्युंजय मंत्र–

ओम् त्रयम्बकं यजामहे
सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्
उर्वारुकमिव
बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय
माऽमृतात्॥

इस मंत्र का जप जीवन में स्वास्थ्य, शांति और समृद्धि लाता है. यह विभिन्न ग्रह दोषों को शांत करता है और आत्मिक ऊर्जा को बढ़ाता है.

रुद्राष्टकम–

नमामीशमीशान निर्वाणरूपं,
विभुं व्यापकं ब्रह्म वेदस्वरूपम्,
निजं निर्गुणं निर्विकल्पं निरीहं,
चिदाकाशमाकाशवासं भजेऽहम्॥

इस स्तोत्र का पाठ भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के लिए किया जाता है. यह जीवन में सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है.

सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व

सावन मास का ज्योतिषीय महत्व केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सांस्कृतिक और सामाजिक प्रभाव भी अत्यधिक है. सावन के दौरान विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है, जो समाज में सामूहिकता और एकता को बढ़ावा देते हैं.

सांस्कृतिक कार्यक्रम

1. **कांवड़ यात्रा**– कांवड़ यात्रा सावन मास के दौरान होने वाला एक प्रमुख धार्मिक आयोजन है. इसमें शिव भक्त गंगा जल को कांवड़ में भरकर शिव मंदिरों में चढ़ाते हैं. इस यात्रा का ज्योतिषीय महत्व यह है कि यह भक्तों को शिव की कृपा प्राप्त करने और ग्रह दोषों को शांत करने में मदद करती है.

सावन झूले– सावन मास में महिलाएँ झूला झूलने का आयोजन करती हैं. यह सामाजिक समरसता और आनंद का प्रतीक है. इस आयोजन का ज्योतिषीय महत्व यह है कि यह शुक्र ग्रह के प्रभाव को बढ़ाता है और वैवाहिक जीवन में प्रेम और सामंजस्य को बढ़ावा देता है.

सामाजिक प्रभाव– सावन मास में विभिन्न धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों का आयोजन होता है, जो समाज में एकता और सहयोग को बढ़ावा देते हैं. इन गतिविधियों का ज्योतिषीय महत्व यह है कि ये समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं और सामूहिक भावना को मजबूत करती हैं.

निष्कर्ष

सावन मास का ज्योतिषीय महत्व अत्यधिक व्यापक और गहरा है. इस मास में ग्रहों की स्थिति, नक्षत्रों का प्रभाव, व्रत और उपवास, पूजा और अनुष्ठान, रत्न धारण, और मंत्र जप का महत्व सभी मिलकर जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और संतुलन लाते हैं. सावन मास न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसका ज्योतिषीय महत्व भी अत्यधिक है. इस मास में किए गए उपाय जीवन में सुख-समृद्धि, शांति, और संतुलन लाने में सक्षम होते हैं. सावन का ज्योतिषीय महत्व हमें यह सिखाता है कि सही समय पर सही उपाय करके हम अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में मोड़ सकते हैं. यह मास हमें आत्म-निरीक्षण और आत्म-शुद्धि का अवसर प्रदान करता है और हमें जीवन में शांति, स्थिरता और संतुलन प्राप्त करने में मदद करता है. इस मास में किए गए धार्मिक और ज्योतिषीय उपाय हमें न केवल व्यक्तिगत रूप से बल्कि सामूहिक रूप से भी समृद्ध और संतुलित बनाते हैं.

दिनांक- 11 से 17 अगस्त 2024 तक

राशिफल

ज्योतिषाचार्य
पं0 नारायणशंकर
नाथूराम व्यास,
कोतवाली बाजार,
जबलपुर

साप्ताहिक ग्रहस्थिति–इस सप्ताह सूर्य कर्क राशि में ता. 17 को 10/10 दिन से सिंह राशि में, मंगल वृषभ राशि में, वक्री बुध सिंह राशि में, गुरू वृषभ राशि में, शुक्र सिंह राशि में, वक्री शनि कुम्भ राशि में, राहु मीन राशि में, केतु कन्या राशि में और चन्द्रमा तुला वृश्चिक धनु और मकर राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव :– ता. 11 को शुक्र पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में आता है इन दिनों ही बुध पश्चिम में अस्त हो रहा है. अत: 14 दिनों में गेहू, चना, ज्वार, बाजरा, मूंग, मोठ, उड़द मंदे होंगे, इन दिनों पाठ, हषियन, शेयर मंदे होंगे, चांदी में तेजी का रूख रहेगा, तेजी मंदी का यह दौर लगभग 15 अगस्त तक चलेगा. ता. 16 को सूर्य मघा नक्षत्र सिंह राशि में और इसी दिन मंगल मृगशिरा नक्षत्र एवं वक्री शनि पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र में प्रवेश करेगा, यह ग्रहस्थिति बाजारों में जोरदार तेजी के झटके देगी, इन दिनों चांदी, सोना, रूई, तिल, ऐरेण्डा, सरसों, अन्य सभी तिलहन, दाख, गुड़, खाड़, शक्कर, लाल मिर्च, हीरा, जवाहरात, शेयर बाजार में जोरदार तेजी से व्यापारियों को तुरन्त लाभ मिलेगा. ता. 16 से 19 के मध्य, चंड़ीगढ़, हरियाणा, पंजाब, उश्ररप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उश्राखण्ड, मध्यप्रदेश राजस्थान, बिहार आदि में जोरदार वर्षा के योग है कुछ प्रांत बाढ़ ग्रहस्त रहेंगे.

पर्व/व्रत/त्यौहार :

मंगलवार 13 अगस्त को- मंगला गौरी व्रत,
शुक्रवार 16 अगस्त को- पुत्रदा/पवित्रा एकादशी व्रत
शनिवार 17 अगस्त को- प्रदोष व्रत, पवित्रा बारस

मेष

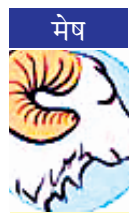

स्वास्थ्य में कुछ सुधार होने की आशा है, उधार लेनदेन से बचने का प्रयास करें, जल्दबाजी में लिये गये निर्णय बदलने पड़ सकते हैं, आयात निर्यात का प्रस्ताव मिलेगा, कामकाजी महिलाओं को परेशानी होगी, साझेदारी में संदेह आ जाने के कारण चल रहा कार्य बीच में ही छोड़ना पड़ सकता है. सावधानी बांछनीय है, बिना मांगे सलाह देना नुकसानदायक हो सकता है.

वृषभ

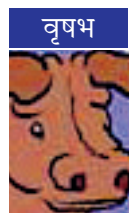

आपको नई नौकरी या नया कारोबार मिल सकता है, व्यापार के सिलसिले में यात्रा का योग बन रहा है, आपको करीबी रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा, बिखरे कार्य समेटने का प्रयास सफल होगा. संपत्ति के कार्यो में खर्च होगा. जानबूझकर की गई गलती की क्षमा मांगने में ही हित रहेगा. सप्ताहान्त में पारिवारिक सुखद योजना पर विचार होगा. वाहन चलाने में चोट लग सकती है.

मिथुन

आपको उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है, कड़ी मेहनत करने पर ही सफलता मिलेगी, आप मानसिक अवसाद में रहेंगे, किसी विवाद के चलते आप के मन में नकारात्मक विचार आते रहेंगे, परिवार में अविश्वासी लोगों की सलाह से बचें, पूज्य व्यक्ति की सलाह एवं अधिनस्थों का सहयोग आपको लाभकारी रहेगा.

कर्क

प्रतिस्पर्धा के दौर में किस्मत एवं मेहनत आपको भरपूर लाभ देगी, आपकी मनोकामना पूरी होगी, जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. दाम्पत्य जीवन में तनाव की संभावना है. भाईयों के बीच जमिथुन जायजाद का बटवारा हो सकता है, वाद विवाद से दूर रहें. अटके कार्य पूरे होंगे. व्यापारिक यात्रा के अच्छे परिणाम मिलेंगे. भावनात्मक संबंधों की मजबूती आपको आंतरिक खुशी देगी.

सिंह

आप खुशी के समाचार सुनेंगे, परिवार की सुख सुविधाओं का ध्यान रखें, आयात निर्यात के बड़े व्यवसाय में लाभ होगा. बेरोजगारों को रोजगार मिलेंगे. प्रापर्टी संबंधी विवाद हल होगा. सप्ताह के अन्त में आपके निकटस्थ विरोधी नई मुसीबतें खड़ी कर सकते हैं, शीघ्र समाधान होगा, कामकाजी महिलाओं को परेशानी हो सकती है. कारोबारी यात्रा हो सकती है.

कन्या

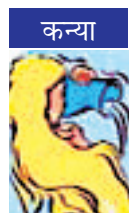

आपकी महत्वाकांक्षा चरमसीमा पर रहेगी, अनहोनी का भय रहेगा. आप भविष्य की योजना बनायेंगे. अचानक लाभ का योग है. यात्रायें आशाजनक रहेंगी, किन्तु उठाईगीरों से सावधानी रखें. रोगी के कार्यो में खर्च होगा. कानूनी मामलों में सफलता मिलेगी. पारिवारिक जीवन में वक्त देकर खुशी मिलेगी, दूसरों की सलाह पर ध्यान दें.

तुला

आप अत्याधिक खर्च से चिंतित रह सकते हैं, इसके बाद भी आप अपने प्रत्येक क्षेत्र में क्रियाशील बने रहेंगे. आपको अधिनस्थ की उपेक्षा का शिकार होना पड़ेगा. दाम्पत्य जीवन में प्रसन्नता रहेगी. नये लोगों से मेलजोल बढ़ेगा. भूमि, भवन, प्रापर्टी में खर्च होगा. नये कार्यो पर विचार होगा. इसके लिये किसी का सहयोग या बैंक से लोन लेना पड़ सकता है.

वृश्चिक

आपकी जान पहचान और परिचय का दायरा बढ़ेगा. अच्छा हो आप सामाजिक कार्यो की उपयोगिता को ध्यान में रखकर कार्य करें, पैतृक संपत्ति को बेचकर अपना हिस्सा ले सकते हैं. आप अपने निकट परिजनों के साथ दूर दराज की यात्रा का विचार करेंगे, जोखिम के कार्यो में रूचि रहेगीं आप वित्तीय मामलों में किसी का सहयोग लेंगे, जो उल्लेखनीय रहेगा.

धनु

हंसी खुशी का वातावरण रहेगा. आपकी नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है. पेशेवर लोगों को वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा, कारोबारी यात्राओं की अधिकता रहेगी. जल्द ही किसी बड़ी योजना को हाथ में ले सकते हैं. अपने व्यवहार और लगन का प्रयोग कर कार्यक्षेत्र में विस्तार कर सकते है. बीती बातों को याद करने से निजी संबंधों में कटुता आयेगी.

मकर

इस सप्ताह पुराना अटका धन मिलने के आसार हैं, अपने कार्यो के प्रति आप आशावादी बने रहेंगे. कई उतार चढ़ाव आयेंगे. व्यवसायिक फैसला लेने से पहले आप हर पहलू पर विचार करेंगे. घर परिवार में सुख शांति मिलेगी. पारिवारिक कार्यक्रमों में धन खर्च अधिक होगा. संबंधों के विस्तार पर ध्यान जा सकता है, और लोग प्रसन्न होकर आपसे मिलेंगे.

कुम्भ

आप मुश्किलों का डटकर मुकाबला करेंगे, नौकरी पेशा लोग अपने पद और आमदानी से संतुष्ट रहेंगे, यदि आप रचनात्मक क्षेत्र में हैं, तो और धन की प्राप्ति होगी. जीवनसाथी के साथ आप धार्मिक यात्रा में जा सकते है. जमिथुन जायजाद से जुड़े मुकदमें में फैसला आपके पक्ष में होगा. अति आत्म विश्वास से कोई फैसला न लें, कार्यस्थल पर समस्या सुलझ सकती है.

मीन

आप जीवन के नये आयाम छुयेंगे, अपनी मेहनत और लगन के बल पर आप अपनी स्थिति में सुधार करने में सफल रहेंगे, कार्यक्षेत्र में क्रियाशील रहेंगे. खुले मन मस्तिष्क से समस्या का हल निकालेंगे. आप किसी नये अनुबंध में शामिल हो सकते हैं, जिससे मान सम्मान में प्रगति होगी, आप जिस पर अधिक भरोसा करते हैं, वही आपकी जड़ खोदने का प्रयास करेगा.

इस मूलांक की लड़कियां होती हैं भाग्यशाली

अंक ज्योतिष शास्त्र में जातकों के जन्म की तारीख के आधार पर गणना करते ए उसके वर्तमान और भविष्य के बारे में काफी कुछ जाना जा सकता है. जन्म तारीख के मूलांक आधार पर 1 से 9 अंकों तक मूलांक निकाला जाता है. अगर किसी जातक की जन्म की तारीख 1, 10, 19 और 28 है तो व्यक्ति का मूलांक 1 होता है. यानी इन जन्म तारीखों के अंकों को जोड़ा जाए तो परिणाम 1 आएगा. आज हम आपको 1 मूलांक की लड़कियों की खूबी के बारे बताने जा रहे हैं. 1 अंक का संबंध सूर्यदेव से होता है यानी जिन जातकों का मूलांक 1 होता है उनके स्वामी सूर्यदेव होते हैं. सूर्यदेव का संबंध 1 अंक से होने के कारण ऐसे जातकों में नेतृत्व करने की अच्छी क्षमता होती है.

मूलांक 1 की लड़कियों की खूबियां

- अगर किसी लड़की का जन्म किसी भी महीने की 1, 10 , 19 और 28 तारीख को हुआ है तो उसका मूलांक 1 होता है.
- अंक ज्योतिष शास्त्र में 01 अंक का संबंध सूर्यदेव से होता है. सूर्य देव को आत्मा, मान-सम्मान और नेतृत्व क्षमता का कारक माना जाता है.
- मूलांक 1 की लड़कियों में नेतृत्व करने की गजब की क्षमता होती है. इस मूलांक की लड़कियों अपने कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. यह अपने करियर में ऊंचाइयों को प्राप्ति करती हैं.
- जिन लड़कियों का मूलांक 1 होता है वे काफी ऊर्जावान और प्रतिभाशाली व्यक्तित्व की धनी होती हैं.

दिशाएं बदल सकती हैं आपकी किस्मत

अपना घर हर व्यक्ति का सपना होता है, लेकिन जब तक अपना घर न बने व्यक्ति की कोशिश होती है ऐसे घर में रहे जहां सुख शांति आए और समृद्धि का रास्ता खुले, लेकिन सपनों का घर बनवाने या खरीदने, या रेंट पर लेने में वस्तुओं के रखने में वास्तु नियमों की अनदेखी बीमारी, आर्थिक परेशानी और दुर्घटना को न्योता दे सकती है, जबकि घर के वास्तु नियमों का ध्यान जीवन में सुख, शांति और समृद्धि ला सकती है.वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि घर में समय-समय पर आर्थिक समस्याएं उत्पन्न हो रही है या घर में रहने वाले सदस्य बार-बार बीमार पड़ रहे हैं तो आपके घर में वास्तु दोष हो सकता है. ज्योतिष ग्रंथों के अनुसार पानी, वायु, आकाश और पृथ्वी तत्वों की अलग-अलग दिशा होती है. घर में इन तत्वों से जुड़ी चीजें इनकी दिशाओं में ही रखनी चाहिए वर्ना वास्तु दोष उत्पन्न होता है. घर वालों को परेशानियां घेर लेती हैं.

इन वास्तु नियमों का भी रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का द्वार पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए. जबकि घर में बाथरूम या तो उत्तर या उत्तर पश्चिम दिशा में बनवाना चाहिए .घर में किसी सदस्य को बीमारी है तो दवाइयों को भूलकर भी दक्षिण के दिशा में न रखें. दवाइयों को उत्तर या उत्तर पूर्व दिशा में रखना चाहिए .यदि आप दवाओं का सेवन कर रहे हैं तो दवा हमेशा उत्तर की ओर मुंह करके खाएं .वास्तु के अनुसार उत्तर और उत्तर पूर्व दिशा में भारी बॉक्स नुमा चीजें जैसे इन्वर्टर रखने से बचना चाहिए. इन दिशाओं में कोई भी वास्तु दोष होने पर घर में बीमारियों का घर बन सकता है. साथ ही घर में आपके सोने की दिशा भी ठीक होनी चाहिए. दक्षिण से उत्तर की तरफ सोने से व्यक्ति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है.

घर के वास्तु नियम जिनका ध्यान रखना जरूरी

वास्तु शास्त्र में ऐसे कई नियमों के बारे में बताया गया है, जिसको ध्यान में रखकर घर के वास्तु दोष को कम किया जा सकता है, किसी परेशानी से बचा जा सकता है. साथ ही किसी बीमारी से बचा जा सकता है. आइये जानते हैं वो वास्तु नियम ज

भूलकर भी न रखें दक्षिण पश्चिम दिशा में वॉश बेसिन

वास्तु शास्त्र के अनुसार दक्षिण और पश्चिम दिशा के बीच पानी से संबंधित चीजें जैसे नल या कुआं नहीं होना चाहिए. इसके अलावा इस दिशा में वॉश बेसिन या वॉशिंग मशीन रखने से बचना चाहिए. वर्ना घर में नकारात्मकता बढ़ती है, धन हानि होती है और घर वाले बीमारी से ग्रस्त रहते हैं. घर में रहने वाले लोगों की परेशानियां बढ़ती हैं. घर वालों पर कर्ज बढ़ता है, घर वालों में मानसकि बीमारी बढ़ती है. इसके अलावा दक्षिण दिशा में पानी की टंकी या भूमिगत टैंक नहीं रखना चाहिए. इससे परिवार में अशांति और धन हानि होती है.

वास्तु शास्त्र के अनुसार पानी का सही स्थान

वास्तुशास्त्र के अनुसार उत्तर-पूर्व दिशा पानी का टैंक रखने के लिए शुभ होती है. इस दिशा में पानी होने से धन लाभ होता है. ऐसे घर में उन्नति और समृद्धि आती है. वहीं उत्तर दिशा में पानी का टैंक या पीने का पानी रखा जाए तो ऐसे घर में शांति और सुख बढ़ता है.

रक्षाबंधन में शुभ मुहूर्त और भद्राकाल का रखें ध्यान

भद्राकाल के दौरान राखी बांधने से बचें

भाई-बहन के अटूट प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन पूरे देश में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है. इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती हैं और उनकी लंबी उम्र की प्रार्थना करती हैं. भाई भी अपनी बहनों को उपहार देते हैं .रक्षाबंधन का त्योहार हर साल सावन माह की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है. इस साल रक्षाबंधन 19 अगस्त, सोमवार को मनाया जाने वाला है. इसके साथ ही इस दिन भद्रा का साया भी है. भद्राकाल में राखी बांधना शुभ नहीं माना जाता है. इस दिन किस विधि से भाई को राखी बांधना चाहिए, हम आपको इस बारे में बताने जा रहे हैं.

रक्षाबंधन 2024 शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 19 अगस्त, सोमवार को रात 03:04 बजे प्रारंभ हो रही है. यह तिथि 19 अगस्त को रात्रि 11:55 बजे समाप्त होगी. रक्षाबंधन सावन पूर्णिमा को मनाया जाता है.इस साल रक्षाबंधन के दौरान 19 अगस्त को राखी बांधने का शुभ समय दोपहर 2.07 बजे से रात 8.20 बजे तक रहेगा. वहीं, शाम 6 बजकर 57 मिनट से रात 9 बजकर 10 मिनट तक प्रदोष काल में राखी बांधना शुभ रहेगा.

राखी बांधने का सही तरीका

- रक्षाबंधन के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें.
- इसके बाद भगवान के सामने दीपक जलाएं और राखी की थाली सजाएं.
- थाली में राखी के साथ रोली चावल, दीया और मिठाई भी रखें.
- राखी बांधने से पहले भाई-बहन दोनों को व्रत रखना चाहिए.
- सभी राखियों को एक थाली में रखकर पूजा करनी है.
- फिर भाइयों को तिलक लगाना चाहिए और फिर राखी बांधें.
- बहनों को अपने भाई की दाहिनी कलाई पर राखी बांधनी चाहिए.
- इसके बाद भाई को मिठाई खिलाएं और उसकी आरती उतारें.
- राखी बांधने के बाद सभी भाई अपनी बहनों को आशीर्वाद और उपहार दें.
- राखी बांधते समय बहनें अपने भाई की लंबी उम्र और उन्नति की कामना करती हैं.

राखी बांधते समय इस मंत्र का जाप करना शुभ माना जाता है.

येन बद्धो बली राजा
दान वेन्द्र:. महाबाला..
तेन त्वामनु बाधनामि
रक्षो मा चल मा चल:.